खबर संक्षेप

कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रो का किया निरीक्षण

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत पीएमजनमन योजना अंतर्गत बनाई गई आंगनबाड़ी केंद्र महरानटोला नवलपुर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रो में पोषण आहार वितरण, बच्चों की दर्ज संख्या सहित आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। कमिश्नर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को मेनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन दे। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में आए बच्चों के अभिभावकों से पोषण आहार की भी जानकारी ली। कमिश्नर ने कुपोषित बच्चों की माताओं को पोषण किट का वितरण भी किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास आनन्द अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त जनजातीय द्वारा 2 मई को आयोजित की जाएगी सुनवाई

शहडोल। उपायुक्त जनजाति कार्य विभाग ने बताया कि जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत समस्त प्रकार के कर्मचारियों के विभिन्न समस्याओं के निराकरण की पहल के रूप में संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव द्वारा संभाग स्तरीय शिविर 2 मई 2026 को प्रात 10 बजे शासकीय बालक हाईस्कूल सोहागपुर में आयोजित किया जाएगा। शिविर में जनजातीय कार्य विभाग के कर्मचारियों की समस्या की प्रत्यक्ष रूप से सुनवाई की जाएगी।

जय स्तम्भ चौक एवं गंज में शुरू किए प्याऊ

शहडोल। भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख स्थानों जय स्तंभ चौक एवं गंज क्षेत्र में प्याऊ प्रारंभ किए गए हैं। इन प्याऊ केंद्रों पर राहगीरों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नगरपालिका प्रशासन ने बताया कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए यह पहल की गई है। शहर के व्यस्त क्षेत्रों में स्थापित इन प्याऊ केंद्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। नगरपालिका अधिकारियों ने कहा कि आगामी दिनों में आवश्यकता अनुसार अन्य स्थानों पर भी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गर्मी के दौरान लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर परिषद अध्यक्ष पर गंभीर आरोप

कोयला उत्पादन में दखल, दबाव और वसूली के आरोपों पर प्रबंधन का नोटिस

शहडोल। बुढार क्षेत्र में कोयला उत्पादन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। कोयला कंपनी प्रबंधन ने नगर परिषद बकहो की भाजपा अध्यक्ष मौसमी केवट को कानूनी नोटिस भेजकर उत्पादन में बाधा, दबाव बनाकर अवैध मांगें मनवाने और आंदोलन की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पहले भी मामले की शिकायत थाने में दर्ज कराई जा चुकी है। जिले के बुढार तहसील अंतर्गत सोहागपुर क्षेत्र में कोयला उत्पादन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में कोयला कंपनी के प्रबंधन ने नगर परिषद बकहो की भाजपा अध्यक्ष मौसमी केवट के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए कानूनी नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अधिवक्ता के माध्यम से भेजा गया है, जिसमें अध्यक्ष पर अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए कोयला उत्पादन में बाधा डालने, दबाव बनाकर अनुचित मांगें मनवाने और आंदोलन की आड़ में काम प्रभावित करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। नोटिस में साफ तौर पर कहा गया है कि दक्षिण पूर्व कोयला क्षेत्र सोहागपुर, भारत सरकार के अधीन एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम है, जो राष्ट्रहित में कोयला उत्पादन कर देश के विकास में अहम योगदान दे रहा है। ऐसे में उत्पादन

कार्य में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप न केवल कंपनी बल्कि देशहित के खिलाफ माना जाएगा। इसके बावजूद अध्यक्ष द्वारा लगातार दखलंदाजी किए जाने का आरोप लगाया गया है।

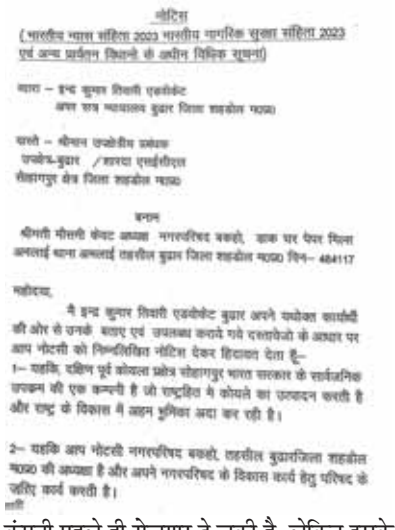

प्रबंधन ने अपने नोटिस में आरोप लगाया है कि बकहो क्षेत्र में संचालित शारदा ओपन कास्ट माइन में अध्यक्ष द्वारा स्थानीय लोगों को अपने प्रभाव में लेकर कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है। इतना ही नहीं, कंपनी पर दबाव बनाकर अपनी शर्तों के अनुसार लोगों को काम पर रखने और अवैध आर्थिक मांगें पूरी कराने का भी आरोप सामने आया है। बताया गया है कि योग्य और पात्र लोगों को

नोटिस

कंपनी पहले ही रोजगार दे चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अतिरिक्त दबाव बनाना नियमों के विपरीत है।

मामले को और गंभीर बनाता है यह तथ्य कि आर.के. अर्थ मूवर्स कंपनी, जो यहां खनन कार्य में संलग्न है, उसने भी इसी प्रकार के आरोप पहले लगाए थे। जानकारी के अनुसार 23 मार्च को अमलाई थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष के साथ-साथ उपाध्यक्ष पर भी दबाव बनाकर लोगों को काम पर रखने और पैसों की मांग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। इससे साफ संकेत मिलता है कि मामला एक दिन का नहीं बल्कि लगातार चल रही गतिविधियों का हिस्सा है। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि कंपनी द्वारा भूमि अधिग्रहण के तहत पात्र लोगों को रोजगार दिया जा चुका है और शेष मामलों में प्रक्रिया जारी है। इसके बावजूद बार-बार नए लोगों को काम पर रखने के लिए दबाव बनाना और तकनीकी कार्यों में हस्तक्षेप करना उत्पादन प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है। कंपनी का कहना है कि खनन कार्य अत्यंत तकनीकी होता है, जिसमें प्रशिक्षित और कुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होती है, लेकिन इस व्यवस्था में बाहरी दबाव खतरनाक साबित हो सकता है।सबसे गंभीर बात यह है कि अध्यक्ष द्वारा शारदा ओसीएम के सामने आमरण अनशन और आंदोलन की चेतावनी दी गई है। प्रबंधन ने इसे सीधे तौर पर उत्पादन बाधित करने की कोशिश बताया है और स्पष्ट किया है कि यदि इस प्रकार की गतिविधियों से कोयला उत्पादन प्रभावित होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित जनप्रतिनिधि की होगी।

इस पूरे मामले ने भाजपा संगठन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि भाजपा की अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर ही इस तरह के गंभीर आरोप लगते हैं, तो आम जनता और उद्योगों के लिए काम करना कितना कठिन हो सकता है। स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या राजनीतिक दबाव के चलते राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को प्रभावित किया जा सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि कोयला उत्पादन जैसे संवेदनशील और राष्ट्रीय महत्व के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की राजनीतिक दखलंदाजी बेहद घातक हो सकती है। यदि इस तरह के विवाद बढ़ते हैं, तो न केवल उत्पादन प्रभावित होगा बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार व्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। फिलहाल, प्रबंधन द्वारा भेजे गए इस सख्त नोटिस के बाद मामला और गरमा गया है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि नगर परिषद अध्यक्ष इस पर क्या जवाब देती हैं और प्रशासन इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाता है।

कागजों में दबकर रह गया जीरो टॉलरेंस

फर्जीवाड़ा करने वाले उपयंत्री पर जिला प्रशासन मेहरबान

शहडोल। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का ढोल पीट रही है, लेकिन जिला पंचायत में इसके उलट घोटाला छिपाओ अभियान चल रहा है। मामला जनपद पंचायत जयसिंहनगर के उपयंत्री रईसुद्दीन खान से जुड़ा है, जिनके विरुद्ध एक साल पहले बेहद गंभीर और संगीन आरोपों की लंबी फेहरिस्त के साथ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन 17 जुलाई 2025 के पत्र को बीते लगभग एक साल होने को है और प्रशासन की सुस्ती यह बताने के लिए काफी है कि यहां साहबों की सरपरस्ती में नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

फर्जी पूर्णता प्रमाण पत्र और वित्तीय अनियमितता

जिला पंचायत कार्यालय द्वारा 17 जुलाई 2025 को जारी कारण बताओ सूचना पत्र (क्रमांक 2025-26/स्था./जिप) ने उपयंत्री रईसुद्दीन खान के काले कारनामों का कच्चा चि_I खोल दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक श्री खान ने जनपद कार्यालय को सूचना दिए बिना, बिना किसी भौतिक सत्यापन के अपने स्तर पर ही मनरेगा पोर्टल पर फर्जी कार्य पूर्णता दर्ज कर दी। यह न केवल शासकीय निर्देशों की अवहेलना है, बल्कि सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और गबन की श्रेणी में आता है। क्या जिला पंचायत के आला अधिकारी इस फर्जीवाड़े के साझीदार हैं, जो अब तक चुप्पी साधे बैठे हैं?

न रोजगार मिला, न मजदूरी

उपयंत्री की लापरवाही का आलम यह है कि जयसिंहनगर क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों के हक पर डाका डाला गया। साल 2024-25 में 1,28,637 मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध मात्र 54 प्रतिशत 69,262 दिन काम ही दिया गया। क्षेत्र के 7,923 सक्रिय श्रमिकों में से केवल 5,817 को काम मिला, जो सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन है। 356 प्रगतिरत कार्यों में से 289 कार्यों के मस्टर रोल ही जारी नहीं किए गए, जिससे मजदूरों का भुगतान अटक गया। समय पर मूल्यांकन न होने के कारण 718 मस्टर रोल शून्य हो गए, जिससे सरकार को लाखों का चूना लगा।

प्रधानमंत्री आवास और कपिलधारा कूप

जिस प्रधानमंत्री आवास योजना को सरकार अपनी प्राथमिकता बताती है, रईसुद्दीन खान के सेक्टर में उसके 92 कार्य अधूरे पड़े हैं। इसके अलावा कपिलधारा कूप (21), मीनाक्षी तालाब (49), और पशु शेड (51) जैसे महत्वपूर्ण हितग्राही मूलक कार्य सालों से लंबित हैं। हैरानी की बात यह है कि 2022-23 के पूर्व के 148 कार्य आज भी अपूर्ण हैं, लेकिन मजाल है कि प्रशासन ने इस पर कोई सख्त कदम उठाया हो।

सीएम हेल्पलाइन और सरकारी दस्तावेजों का अपमान

सिर्फ काम में चोरी ही नहीं, बल्कि उपयंत्री श्री खान का रवैया भी बेहद अडियल रहा है। क्षेत्र के मजदूरों की शिकायतों से सीएम हेल्पलाइन भरी पड़ी है, लेकिन श्री खान ने कभी शिकायतकर्ताओं से संपर्क करना तक मुनासिब नहीं समझा। आज भी 23 शिकायतें लंबित हैं। इतना ही नहीं, मनरेगा के अनिवार्य 07 रजिस्टर तक संधारित नहीं किए गए, जो मनरेगा अधिनियम 2005 का खुला उल्लंघन है।

प्रशासनिक लाचारी या मिलीभगत

सबसे बड़ा सवाल जिला पंचायत शहडोल की कार्यप्रणाली पर है। पत्र में स्पष्ट लिखा था कि 22 जुलाई 2025 को साक्ष्य सहित उपस्थित न होने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। सूत्र बताते हैं कि न तो संतोषजनक जवाब आया और न ही कोई कार्रवाई हुई। जब कार्यपालन यंत्री और जनपद सीईओ जयसिंहनगर बार-बार शिकायतें भेज रहे थे, तो जिला पंचायत की फाइलें किस अलमारी में दफन हो गईं?

कब टूटेगा भ्रष्टों का सिंडिकेट

शहडोल के ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या जिला पंचायत कार्यालय सिर्फ नोटिस-नोटिस खेलने के लिए है? एक ऐसा कर्मचारी जो वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करता है (अनुशासनहीनता), जो फर्जी दस्तावेज पोर्टल पर चढ़ाता है और जो गरीबों का रोजगार छीनता है, वह एक साल बाद भी अपनी कुर्सी पर कैसे जमा हुआ है? यदि जिला प्रशासन इस मामले में अब भी मौन रहता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि जीरो टॉलरेंस सिर्फ कागजी नारा है और असलियत में भ्रष्टाचार को शहडोल जिला पंचायत में खाद-पानी दिया जा रहा है।

इनका कहना है...

मामला संज्ञान में है, दो-तीन दिन का अवकाश होने के चलते अभी मामले में कुछ नहीं कह सकता, लेकिन सोमवार को उक्त मामले में क्या स्थिति है, दिखवाते हैं।

मुद्रिका सिंह
अतिरिक्त जिला पंचायत अधिकारी
शहडोल

मामला अभी संज्ञान में नहीं है, अगर किसी प्रकार की लापरवाही हुई है तो, हम दिखवाते हैं, कार्यालय से पत्र जारी हुआ है तो, जवाब देना होगा, गलती पाये जाने पर कार्यवाही होगी।

शिवम प्रजापति
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत शहडोल

अंधेरे में रेलवे की संपत्ति निगलने वाले गिरोह का भंडाफोड़, बोलेरो समेत दो दबोचे

शहडोल। रेलवे की संपत्ति पर गिद्ध दृष्टि गड़ाए बैठे शातिर चोरों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। शहडोल और घुनघुटी के बीच पटरी किनारे लूट मचा रहे गिरोह को आरपीएफ की टीम ने रंगे हाथों दबोचा। पुलिसिया दबिश देख गिरोह में हडक़ंप मच गया, जहां पांच शातिर अंधेरे का फायदा उठाकर रफूचक्कर हो गए, वहीं दो को टीम ने घेराबंदी कर धर दबोचा।

आरपीएफ की आहट से सहमे लोहा चोर

जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल की रात आरपीएफ शहडोल को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध रेलवे क्षेत्र में केबल और लोहा चोरी करने की फिराक में हैं। सतर्क टीम ने जब घेराबंदी की, तो मौके पर सफेद रंग की बोलेरो पिकअप (एमपी-54-जीए-0312) खड़ी मिली, जिसमें रेलवे की फिश प्लेट और सिग्नल केबल के भारी बंडल लादे जा रहे थे। टीम को आता देख सादिक नामक सरगना ने चीखकर भागने का इशारा किया, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई।

दो गिरफ्तार, पांच अब भी फरार

मौके से शिव कुमार चौधरी उर्फ राजा (20) और गुड्डा बैगा (39) को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि नशे की लत और आर्थिक तंगी के चलते ये सादिक और अहमद जैसे शातिरों के बहकावे में आए थे। आरोपियों के पास से 15 मीटर लंबा सिग्नल केबल और 20 नग भारी जागल फिश प्लेट बरामद हुई है। जब्त माल की कीमत लाखों में आंकी जा रही है।

कबाड़ी कनेक्शन और बड़े नामों पर गहराया शक

सूत्रों की मानें तो यह सिर्फ एक साधारण चोरी नहीं, बल्कि एक संगठित सिंडिकेट है। वारदात में इस्तेमाल पिकअप वैन शहडोल के एक कुख्यात कबाड़ी हक्कू द्वारा लीज पर ली गई बताई जा रही है। चर्चा है कि इस पूरे काले कारोबार के पीछे साजिद और रहीम जैसे सफेदपोश चेहरों का हाथ है। आरपीएफ ने आरपी (यूपी) एक्ट की धारा 3(अ) के तहत मामला दर्ज कर फरार पांच आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। कबाडिय़ों के ठिकानों पर दबिश देकर पूर्व में हुई कई बड़ी चोरियों के खुलासे की भी उम्मीद है।

121 जोड़े विवाह सूत्र के बंधन से बंधे

गोहपारू में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह

शहडोल। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत जनपद मुख्यालय गोहपारू में जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो की उपस्थिति में सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। सामूहिक कन्या विवाह के अवसर पर 121 नव दंपत्तियो ने वैदिक मंत्रोच्चरण एवं भारतीय परंपरा के साथ सात फेरे लेकर परिणय सूत्र में बंधे। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों ने पुष्पवर्षा कर उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की।

कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी सशक्त संदेश दिया जा रहा है। सामूहिक कन्या विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने विवाह संस्कार को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और सभी को अपनी खुशियां साझा करने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार कार्यक्रम को अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने भी सम्बोंधित किया। कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुधीर दिनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मनोज कुमार मिश्रा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू द्वारा किया गया।

सारांश ने रीजनल शतरंज प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

शहडोल। पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, सागर में 28 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित रीजनल खेल प्रतियोगिता शतरंज-2026 (जबलपुर रीजन) में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, शहडोल के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं प्रतिभाशाली युवा शतरंज खिलाड़ी सारांश तिवारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। सारांश ने प्रतियोगिता के 4 राउंड के कठिन मुकाबलों में चारों राउंड जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की तथा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा चेन्नई में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता चेस-2026 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उनकी 2200 की उत्कृष्ट प्रदर्शन रेटिंग उनके उच्च स्तर के खेल और शतरंज की दुनिया में उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी राष्ट्रीय स्तर की खेलो इंडिया शतरंज प्रतियोगिता में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। सारांश तिवारी, जिला न्यायालय शहडोल में पदस्थ सरोज कुमार तिवारी एवं श्रीमती निशा तिवारी के सुपुत्र हैं। इस उपलब्धि पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अभिषेक दीवान, केन्द्रीय विद्यालय शहडोल की प्राचार्य श्रीमती प्रीति मिश्रा सहित विभिन्न खेल संगठनों एवं नागरिकों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अपराधियों की अब खैर नहीं!

विशेष डीजी आशुतोष राय ने शहडोल में कसी नकेल

शहडोल। जिले में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर अब पुलिस का हंटर और तेज चलेगा। गुरुवार को पुलिस मुख्यालय भोपाल से आए विशेष पुलिस महानिदेशक (अजाक) आशुतोष राय ने शहडोल जोन के पुलिस महकमे की जमकर क्लास ली। पुराने कंट्रोल रूम के सभागार में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल बैठक में विशेष डीजी के तेवर तल्ख नजर आए। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि अजा/अजजा अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों में लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीड़ितों को मिले तत्काल न्याय

समीक्षा बैठक के दौरान श्री राय ने लंबित प्रकरणों के अंबार पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एक-एक फाइल की बारीकी से पड़ताल करते हुए अधिकारियों से जवाब तलब किया। विशेष डीजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन मामलों में जांच पूरी हो चुकी है, उनके चालान तत्काल न्यायालय में पेश किए जाएं। पीड़ितों को शासन द्वारा दी जाने वाली राहत राशि के भुगतान में हो रही देरी पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाया और इसे समय सीमा में निराकृत करने को कहा। कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं, वरना कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

पूरा पुलिस अमला रहा मौजूद

बैठक में शहडोल जोन के पुलिस महानिरीक्षक सहित शहडोल, उमरिया और अनूपपुर के पुलिस अधीक्षकों की मौजूदगी ने मामले की गंभीरता को साफ कर दिया। जिले के सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अजा/अजजा वर्ग के प्रति होने वाले अपराधों पर न केवल अंकुश लगाएं, बल्कि न्याय प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाएं।

इस कडक़ समीक्षा के बाद अब जोन के थानों में हडक़ंप मचा हुआ है। विशेष डीजी के इस एक्शन मोड ने साफ कर दिया है कि पुलिस अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं करेगी, बल्कि धरातल पर अपराधियों के छक्के छुड़ाएगी।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत कुबरा एवं झारा में किया निरीक्षण

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में आमजन की सहभागिता एवं विभिन्न विकास विभागों द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। जल संवर्धन अभियान का उद्देश्य पानी की बूंद-बूंद का संरक्षण करना है। अभियान के तहत जहां पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। वहीं नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने जयसिंहनगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कुबरा एवं झारा में किए जा रहे कंटूर टेऊंच निर्माण कार्य, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सोख पिट निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि सीटीआर निर्माण से वर्षा जल को रोकने, मिटटी कटाव कम करने तथा भू जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। जल बहाव कम होने से सूखे क्षेत्र में नमी बनी रहेगी। जिससे हरियाली एवं वन संरक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती शिवानी जैन, एपीओ मनरेगा अनुराग निगम तथा संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री ग्राम पंचायत संरपंच एवं सचिव उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हाई स्कूल एवं हायर सकेण्डरी की द्वितीय परीक्षा हेतु प्रतिनिधि नियुक्त

उमरिया। माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल के पत्र परिपालन में उमरिया जिले में आयोजित हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 की गोपनीयता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्राध्यक्षों के साथ संबंधित थानों से प्रश्न-पत्र प्राप्त किये जाने से लेकर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाने तक के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अधिकारियों को कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उन्होने अधिकारियों/ कर्मचारियों से कहा है कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल के दिशा-निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें एवं परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्षों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रातः 7.00 बजे संबंधित थानों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

संविदा श्रमिकों के नियोजन हेतु प्रमुख नियोजक श्रम सेवा पोर्टल के माध्यम से कर सकते है आवेदन

उमरिया। श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी शासकीय विभागों, मण्डलों, निगमों और अन्य संस्थाओं को निर्देशित किया है कि जो विभाग ठेकेदारों या आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से कार्य (विशेष रूप से निर्माण कार्य और अन्य सेवाएं) करा रहे हैं, उन्हें संविदा श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 की धारा 7 के अंतर्गत प्रमुख नियोजक के रूप में पंजीयन कराना अनिवार्य है।इसके साथ ही व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-दशा संहिता, 2020 की धारा 47 से 50 के प्रावधान भी लागू हैं, जिनमें ठेका श्रमिकों के नियोजन और पंजीयन से संबंधित नियम शामिल हैं।

स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि बिना पंजीयन के किसी भी स्थिति में ठेका श्रमिकों का नियोजन न किया जाए। सभी संबंधित विभाग और संस्थाएं तत्काल पंजीयन की प्रक्रिया पूरी करें। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित नियोक्ता या कार्यालय प्रमुख के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी विभागों, निगमों और मण्डलों से अपेक्षा की गई है कि वे श्रम कानूनों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें और नियमानुसार पंजीयन प्राप्त करें। इस संबंध में सहायता के लिए कार्यालय श्रम पदाधिकारी, उमरिया (मध्यप्रदेश) कृ अनुज्ञापन एवं पंजीयन अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है। पंजीयन हेतु आवेदन श्रम सेवा पोर्टल पर उपलब्ध है।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर बनाने प्रदान की गई सिलाई मशीन

कोतमा। वी एसोसिएशन क्लब ऑफ़ इंडिया कोतमा क्लब निस्वार्थ के तत्वाधान में स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टिकोण से एक बिटिया को सिलाई मशीन प्रदान की गई। कार्यक्रम में क्लब की सचिव वी डॉक्टर संगीता प्रजापति, कोषाध्यक्ष वी बबीता गुप्ता, वी रीता गुप्ता, वी निशा गुप्ता, वी सुमन गुप्ता उपस्थित रहे। बता दें कि वी निःस्वार्थ क्लब के द्वारा समय समय पर समाजिक गतिविधियों को संचालित किया जाता है।

कलेक्टर ने गेहूं खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

खरीदी केंद्रों में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर, किसान हित सर्वोपरि

उमरिया। जिले में चल रही गेहूं खरीदी व्यवस्था को और अधिक किसान-हितैषी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बडेरी स्थित अन्नपूर्णा वेयरहाउस, सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी केंद्र गढ़पुरी तथा सेवा सहकारी केंद्र सिगुड़ी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं अनुभवों की जानकारी ली।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, बैठक व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, मौसम को देखते हुए तिरपाल की उपलब्धता तथा तौल कांटों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान अन्नपूर्णा वेयरहाउस, ददरौड़ी में 1953 क्विंटल गेहूं खरीदी दर्ज पाई गई। यहां 12,500 बारदानों की उपलब्धता में से 3,906 का उपयोग किया जा चुका है तथा 290 स्लॉट बुकिंग दर्ज की गई। इसी प्रकार, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति गढ़पुरी में 27 किसानों से 500 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है, जबकि 200 स्लॉट बुकिंग पाई गई।सेवा सहकारी समिति सिगुड़ी में अब तक 2078 क्विंटल गेहूं खरीदी की जा चुकी है। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अवकाश की सूचना स्पष्ट रूप से प्रदर्शित न होने के कारण कुछ किसान गेहूं विक्रय हेतु केंद्र पर पहुंच गए थे। इस पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए निर्देश दिए कि किसानों की सहमति से उनके गेहूं को सुरक्षित रूप से केंद्र पर रखवाया जाए तथा अगले खरीदी दिवस पर प्राथमिकता से खरीदी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने खरीदी स्टॉक का भी निरीक्षण किया तथा सर्वेयर को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही गेहूं खरीदी की प्रक्रिया संपादित की जाए, जिससे किसानों को उचित मूल्य एवं पारदर्शी व्यवस्था मिल सके।

यह संपूर्ण कार्रवाई मध्यप्रदेश सरकार की किसान-हितैषी नीतियों और मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, समय पर भुगतान तथा सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसका लाभ जिले के किसानों को प्रत्यक्ष रूप से मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रोहित सिंह भी उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण का पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों द्वारा किया गया निरीक्षण

उमरिया। आगामी जनगणना के तहत जिले में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य निरंतर गति से जारी है। इस क्रम में नियुक्त पर्यवेक्षक एवं प्रगणक अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण कर मकानों का भौतिक सत्यापन और निरीक्षण कर रहे हैं। जनगणना चार्ज नौरोजाबाद क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार नौरोजाबाद तथा चार्ज अधिकारी द्वारा मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को जनगणना संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस तरह तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी ने ग्राम धनवाही मे मकानसूचीकरण के कार्य का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने प्रत्येक मकान की स्थिति, उपयोग, परिवारों की संख्या सहित अन्य आवश्यक जानकारियों का संकलन किया। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी मकान सूचीकरण से छूटने न पाए। पर्यवेक्षकों ने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित प्रारूप के अनुसार सही और अद्यतन जानकारी संकलित करें, ताकि जनगणना के आंकड़े सटीक और विश्वसनीय बन सकें।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि मकान सूचीकरण का कार्य 30 मई तक पूर्ण किया जाएगा। इस दौरान जिलेभर में हजारों अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर मकान गणना सहित 33 प्रकार की आवश्यक जानकारियां एकत्र करेंगे। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क में गड्ढा बना दुर्घटना का कारण

कोतमा। बसखली चौराहा से कोतमा की तरफ जाने वाले क्रासिंग सड़क मे गड्ढा हो गया है सड़क बैठ गई है जिसके कारण आये दिन दुर्घटना घटित हो रही है लेकिन इसके मरम्मत की ओर प्रशासन का ध्यान नही जा रहा है। जबकि यह सडक राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 हाइवे मे मिलती है और यह दर्जनों गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है और इस सड़क मे 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना रहता है। चौराहा होने के कारण लोगों को सड़क मे हुआ जान लेवा गड्ढा नजर नही आता जिसके कारण आये दिन दुर्घटना घटित हो रही है। यही हाल बेलिया फाटक से बिजुरी जाने वाले तिराहा का है जो राष्ट्रीय राजमार्ग

क्रमांक 43 हाइवे सड़क को मिलाती है जिसमें चौराहा से लगभग दो सौ मीटर की दूरी की सड़क पूरी तरह से उखड गई है जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। जिसके कारण आये दिन दुर्घटना घटित हो रही है। मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल ने दोनों जगह की सड़क के मरम्मत कार्य करवाये जाने को लेकर गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री अनुपपुर को तत्काल सड़क की मरम्मत कार्य करवाये जाने को लेकर निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 मे सड़क मे पोती गई सफेद पट्टी मिट गई है जिसके कारण रात्रि के समय सही ढंग से सफेद पट्टी वाहन चालकों को नजर नहीं आती जिसके कारण वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की कैडर मीटिंगः 8वें वेतन आयोग से पहले प्रमोशन दिलाना प्राथमिकता, शहडोल में रणनीति तैयार

शहडोल। रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर ने संकल्प लिया है कि प्रत्येक मेहनतकश रेल कर्मचारी को उसका जायज हक मिले। इसी कड़ी में रनिंग स्टाफ, **CCTS**, इलेक्ट्रिक लोको शेड और अन्य विभागों के कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से 31 दिसंबर 2025 से पहले प्रमोशन दिलाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

शहडोल शाखा कार्यालय में 30 अप्रैल को आयोजित कैडर मीटिंग को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं मंडल समन्वयक (बिलासपुर) विजय अग्निहोत्री ने कहा कि पदोन्नति की प्रक्रिया को त्वरित रूप से लागू कराने में बिलासपुर रेल प्रबंधन का सकारात्मक योगदान रहा है। उन्होंने विशेष रूप से:मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन,वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ.अंशुमन मिश्रा,सीनियर डीओपी शशांक कोष्टा जैसे संवेदनशील अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

सभा की अध्यक्षता कर रहे जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने बताया कि:**SSE** रिडिप्लॉयमेंटः सीनियर सेक्शन इंजीनियर कैडर में कार्यरत कर्मचारियों को 'रिडिप्लॉयमेंट' नियम के तहत 2 साल के लंबे संघर्ष के बाद 'ऑप्शन' का अवसर दिलाया गया।ट्रैक मेंटेनर राहतः विजय अग्निहोत्री के नेतृत्व में ट्रैक मेंटेनरों की पेट्रोलिंग बीट को 16 किमी से घटाकर 12 किमी करने का ऐतिहासिक निर्णय कराया गया।भत्ताः कर्मचारियों को सायकल अलाउंस दिलाने के आदेश भी जारी कराए गए।

तुलसी कॉलेज में देहदान/अंगदान जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनूपपुर। जिले के अग्रणी महाविद्यालय पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी कॉलेज में देहदान एवं अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में 30 अप्रैल को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में देहदान व अंगदान के महत्व को समझाना तथा नागरिकों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आर. पी. सोनी, चेयरमेन, रेडक्रॉस सोसाइटी अनूपपुर उपस्थित रहे, उन्होने उद्बोधन में अंगदान को "महादान" बताते हुए कहा कि यह किसी व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं उपस्थित नागरिकों से अंगदान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जेके संत ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जागरूकता ही इस दिशा में सबसे बड़ा कदम है और शिक्षा संस्थानों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज श्रीवास्तव द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. दीपक गुप्ता ने देहदान तथा डॉ. योगेश तिवारी ने अंगदान का संकल्प लिया, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुधा साहू, डॉ. बृजेन्द्र सिंह, डॉ. दुर्गेश द्विवेदी, डॉ. तरन्नुम सरवत, डॉ. नन्द लाल गुप्ता, डॉ. अजय जायसवाल, डॉ. फराह नाज, डॉ. अमित कुमार साकेत, डॉ. शैली अग्रवाल, डॉ. मीना सिंह, सुश्री अंजली कहार और गंगेश कुमार का विशेष सहयोग रहा। साथ ही अशैक्षणिक स्टाफ में दुकालू बैगा ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। अंत में कार्यक्रम के संयोजक एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन के प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. विनोद कुमार कोल ने आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों की सहभागिता रही।

जल गंगा सवर्धन अभियान में सहभागिता हेतु महिलाओं को किया गया जागरूक

अनूपपुर। जल संरक्षण और जल स्रोतों के पुनर्जीवन के उद्देश्य से प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इस अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं और बावडियों की सफाई तथा जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही वर्षा के पानी के संरक्षण हेतु शासकीय व निजी भवनों आदि में रैन वाटर हार्वेस्टिंग हेतु विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। जिले में अभियान के तहत विभिन्न स्तरों पर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा आमजन की इस महत्वपूर्ण अभियान में भागीदारी हो सके। इसी तारतम्य में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों के परिसंघ, संकुल स्तरीय संगठन (सीएलएफ) की आयोजित बैठकों में उक्त अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा स्व सहायता समूहों के सदस्यों के द्वारा इस अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। जिले के समस्त संकुल स्तरीय संगठनों की बैठकों में अभियान के बारे में स्व सहायता समूह के सदस्यों को इस अभियान के तहत किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया तथा समूह सदस्यों को भी अपने अपने घरों में आवश्यकता अनुसार रिचार्ज पिट, सोख्ता गड्ढा आदि जल संरचनायें बनाये जाने हेतु प्रेरित किया गया ताकि बारिश का पानी अथवा दैनिक रूप से घरेलू कार्यों में उपयोग होने वाला पानी व्यर्थ न बहे एवं निर्मित जल संरचनाओं के माध्यम से पुनरू जमीन के अंदर जा सके एवं जल संरक्षण की दिशा मे सकारात्मक पहल की जा सके। मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संकुल संगठनो, जीवन दायिनी संकुल संगठन राजेंद्रग्राम, जय नारी शक्ति संकुल संगठन करपा, नवचेतना संकुल संगठन शिवरीचंदास, एकता संकुल संगठन जमुना, संकल्प, संकुल संगठन बिजुरी, जीवन ज्योति संकुल संगठन अनूपपुर, सहारा संकुल संगठन जैतहरी, एकता संकुल संगठन बरबसपुर, एकता संकुल संगठन कोतमा, संकल्प संकुल संगठन आमाडांड, नारी शक्ति संकुल संगठन सरई, ज्योति महिला संकुल संगठन लीलाटोला, पवित्र संकुल संगठन बेनीबारी आदि में सीएलएफ के विशेष ऐजेंडे के रूप में जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग बासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी
को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे। ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही हरिभूमि की प्रति
बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789

खबर संक्षेप

मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी बनगवां से हुए सेवानिवृत्ति

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम मिलन तिवारी 30 अप्रैल को अपने कार्य से सेवानिवृत्त हो गये। इस दौरान नगर परिषद बनगवां (राजनगर) कार्यालय परिसर में शाम 5 बजे सभी कर्मचारी गण एंव नगर के जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए और उनके सम्मान में कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखनलाल पनिका तथा धनंजय सिंह उपाध्यक्ष एवं कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, सुरेश गौतम पूर्व मंडल अध्यक्ष, राजेश कलसा पूर्व मंडल अध्यक्ष तथा परिषद के पार्षदो अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा राममिलन तिवारी को पुष्प गुच्छ, शाल और श्री फल देकर तथा तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। विदाई के समय ढोल, बाजों के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी तथा प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका, धनंजय सिंह उपाध्यक्ष तथा सभी जनप्रतिनिधियों एवं नगर परिषद के समस्त कर्मचारियों ने राधा कृष्ण मंदिर जाकर राधा कृष्ण जी पुजा कर आशीर्वाद लिया।

तेज आंधी-तूफान से "विविध गौ विज्ञान केंद्र" गौशाला को पहुंची भारी क्षति

अनूपपुर। जैतहरी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडा में लावारिस, निराश्रित एवं आवारा गायों को आश्रय देने के उद्देश्य से "विविध गौ विज्ञान केंद्र" के नाम से गौशाला का संचालन किया जा रहा था। इस गौशाला की स्थापना महेश कुमार राठौर, कमलेश राठौर एवं राजकुमार राठौर द्वारा मिलकर की गई थी। 30 अप्रैल को रात्रि लगभग 9:30 बजे आए तेज आंधी-तूफान ने गौशाला को भारी क्षति पहुंचाई। तूफान की तीव्रता इतनी अधिक थी कि गायों के लिए बनाया गया सेट पूरी तरह उड़ गया। उस समय गौशाला में लगभग 40 गायें मौजूद थीं, जिनमें से कई गायों को चोटें आई हैं।बताया जा रहा है कि गौशाला के लिए करीब 2 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया सेट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे संचालकों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है।गौरतलब है कि यह गौशाला क्षेत्र में आवारा एवं निराश्रित गायों के संरक्षण का एक सराहनीय प्रयास था, जिसे इस प्राकृतिक आपदा ने गहरा झटका दिया है। स्थानीय लोगों एवं प्रशासन से अपील की गई है कि इस संकट की घड़ी में गौशाला संचालकों की मदद के लिए आगे आएं, ताकि घायल गायों का उपचार एवं गौशाला का पुनः निर्माण किया जा सके।

33 लाख का काम बना 'कंक्रीट का खेल'

इंद्र दमन सरोवर जीर्णोद्धार में घोटाले की बू

घटिया मटेरियल, गलत अनुपात और लापरवाही से अमरकंटक का सरोवर अस्तित्व संकट में

अनूपपुर। अमरकंटक के नर्मदा तट पर स्थित इंद्र दमन सरोवर के जीर्णोद्धार कार्य में भारी अनियमितताओं और लापरवाही के आरोप सामने आए हैं। करीब 33 लाख रुपये के इस निर्माण कार्य में मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया सामग्री और गलत अनुपात से निर्माण किया जा रहा है, जिससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि सरोवर का भविष्य भी खतरे में पड़ गया है।अमरकंटक क्षेत्र, जिसे नर्मदा उद्गम स्थल के रूप में धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, वहीं अब विकास कार्यों के नाम पर लापरवाही का शिकार होता नजर आ रहा है। इंद्र दमन सरोवर के जीर्णोद्धार के लिए 33 लाख रुपये का ठेका दिया गया, लेकिन मौके पर जो हालात हैं, वे गंभीर सवाल खड़े करते हैं। स्थानीय लोगों और जानकारों के अनुसार, निर्माण कार्य में 20 मिमी गिट्टी के स्थान पर 10 और 30 मिमी गिट्टी का उपयोग किया जा रहा है, जो तकनीकी मानकों के विपरीत है। साथ ही 6/3/1 के अनुपात में मसाला तैयार कर ढलाई की जा रही है, जो टिकाऊ निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इसके

अलावा घटिया गुणवत्ता की सीमेंट का उपयोग भी सामने आया है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि सरोवर के चारों ओर कंक्रीट की दीवारें खड़ी की जा रही हैं, जिससे प्राकृतिक जल स्रोत प्रभावित हो सकते हैं। यदि यही स्थिति रही, तो भविष्य में यह सरोवर केवल नाम मात्र का रह जाएगा।

मानकों को ताक पर रखकर निर्माण

निर्माण कार्य में तय मानकों की खुली अनदेखी की जा रही है। जहां 20 मिमी गिट्टी का उपयोग होना चाहिए, वहां 10 और 30 मिमी गिट्टी का मिश्रण डाला जा रहा है। यह न केवल गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि संरचना की मजबूती पर भी सवाल खड़े करता है। इसके अलावा निर्माण में तकनीकी निरीक्षण की भी कमी साफ नजर आ रही है। जिम्मेदार अधिकारी या तो आंखें मूंदे बैठे हैं या फिर इस पूरे खेल में मौन सहमति दे रहे हैं।

घटिया मटेरियल से 'जुगाड़' निर्माण

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लग रहे हैं कि निर्माण में हल्की और कम गुणवत्ता वाली सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। इससे दीवारों की मजबूती और टिकाऊपन दोनों प्रभावित होंगे। 6/3/1 के अनुपात में तैयार किया जा रहा मसाला भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि यह दीर्घकालिक संरचना के लिए उचित नहीं माना जाता। ऐसा प्रतीत होता है कि लागत बचाने के नाम पर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है।

कंक्रीट दीवारों से जल स्रोत पर खतरा

सरोवर के चारों ओर बनाई जा रही कंक्रीट की दीवारें इसके प्राकृतिक जल स्रोत को प्रभावित कर सकती हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस तरह का निर्माण जल के प्राकृतिक प्रवाह को रोक देगा, जिससे सरोवर में पानी का स्तर धीरे-धीरे कम होता जाएगा। यदि जल स्रोत बाधित हुए, तो आने वाले समय में यह सरोवर सूखने की कगार पर पहुंच सकता है। यह केवल निर्माण की गलती नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन के साथ खिलवाड़ है।

जनता के पैसे का खुला दुरुपयोग

33 लाख रुपये की लागत से हो रहा यह जीर्णोद्धार कार्य अब सवालों के घेरे में है। जिस उद्देश्य से यह राशि स्वीकृत की गई थी, वह जमीन पर कहीं नजर नहीं आ रहा। घटिया निर्माण और लापरवाही यह संकेत देती है कि कहीं न कहीं धन का दुरुपयोग हो रहा है। यह मामला केवल तकनीकी गड़बड़ी का नहीं, बल्कि वित्तीय अनियमितता का भी प्रतीत होता है, जिसकी निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

जिम्मेदार कौन? जवाबदेही से बचता तंत्र

इतनी गंभीर लापरवाही के बावजूद अब तक किसी भी अधिकारी या ठेकेदार की जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। सवाल यह है कि क्या इस मामले की जांच होगी या फिर इसे भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? स्थानीय लोगों में आक्रोश है और वे पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं। यदि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई, तो न केवल सरोवर का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा, बल्कि शासन-प्रशासन की विश्वसनीयता भी सवालों में घिर जाएगी।

अमरकंटक में आंधी-तूफान का कहर

पेड़ उखड़ा, शौचालय पलटा, बड़ी जनहानि टली

अमरकंटक। अमरकंटक में गुरुवार शाम आए तेज आंधी-तूफान ने अचानक जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं, गरज-चमक और मूसलाधार बारिश के कारण नगर के कई हिस्सों में नुकसान हुआ। इंदिरा पार्क क्षेत्र में विशाल वृक्ष गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया, जबकि रामघाट में अस्थायी शौचालय पलट गया। राहत की बात यह रही कि इस प्राकृतिक आपदा में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन कर स्थिति सामान्य करने के प्रयास जारी हैं। पवित्र नगरी अमरकंटक में 30 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे अचानक आए तेज आंधी-तूफान ने लोगों को चौंका दिया। कुछ ही देर में मौसम ने विकराल रूप ले लिया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कई स्थानों पर पेड़ टूटकर गिर गए, टीन-शेड उड़ गए और सार्वजनिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। इंदिरा पार्क क्षेत्र में एक बड़ा पेड़ नर्मदा मंदिर मार्ग पर गिरने से आवागमन बाधित हो गया। संयोग से हाल ही में हटाए गए अतिक्रमण के कारण बड़ी दुर्घटना टल गई। वहीं रामघाट क्षेत्र में पार्किंग स्थल पर रखा अस्थायी शौचालय भी तेज हवाओं के कारण पलट गया। लगभग एक घंटे तक चले इस तूफान से बिजली व्यवस्था भी प्रभावित रही। हालांकि इस मौसम परिवर्तन ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रशासन अब नुकसान का सर्वे कर राहत कार्यों में जुटा है।

इंदिरा पार्क में पेड़ गिरने से बाधित हुआ मार्ग

आंधी-तूफान का सबसे अधिक प्रभाव इंदिरा पार्क क्षेत्र में देखने को मिला, जहां एक विशालकाय वृक्ष का बड़ा हिस्सा टूटकर नर्मदा मंदिर मार्ग पर गिर पड़ा। इससे कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि घटना के समय मार्ग पर आवाजाही कम थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गौरतलब है कि हाल ही में प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र से अवैध अतिक्रमण हटाए गए थे। यदि वे संरचनाएं मौजूद रहतीं, तो गंभीर जनहानि हो सकती थी। प्रशासन द्वारा पेड़ हटाने का कार्य तेजी से किया गया है।

रामघाट में पलटा अस्थायी शौचालय, उड़ गए टीन-शेड

रामघाट क्षेत्र में भी तूफान का असर स्पष्ट रूप से देखने को मिला। यहां नगर परिषद द्वारा पार्किंग स्थल पर लगाया गया अस्थायी शौचालय तेज हवाओं के कारण उखड़कर पलट गया। इसके अलावा कई घरों और दुकानों के टीन-शेड तथा तिरपाल उड़ गए, जिससे लोगों को नुकसान और असुविधा का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर छोटे-मोटे सामान भी क्षतिग्रस्त हुए। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्थायी और मजबूत संरचनाएं बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

बिजली व्यवस्था ठप, लेकिन गर्मी से मिली राहत

तेज आंधी और बारिश के कारण नगर की विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई, जिससे कई क्षेत्रों में कुछ समय के लिए बिजली बाधित रही। इससे लोगों को अंधेरे और असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि मौसम के इस बदलाव ने भीषण गर्मी से राहत दिलाई। दिन का तापमान जहां 32-33 डिग्री सेल्सियस था, वहीं रात में यह गिरकर 15-16 डिग्री तक पहुंच गया। ठंडी हवाओं और सुहावने मौसम ने लोगों को राहत का अहसास कराया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ऐसे बदलाव की संभावना जताई है, जिससे प्रशासन को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

वैशाख पूर्णिमा पर श्री कल्याण सेवा आश्रम में ध्वजा साहब का भव्य पूजन

परंपरा अनुसार बदली गई धर्म ध्वजा

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में वैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर धर्म ध्वजा साहब का विशेष पूजन एवं अभिषेक अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अनुष्ठान में प्रातः 9 बजे से ही संत-महात्माओं एवं विद्वान पंडितों के सानिध्य में मंत्रोच्चारण के बीच ध्वजा साहब का पूजन-अभिषेक प्रारंभ हुआ, जो आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न होकर भक्तों के लिए दिव्य अनुभूति का कारण बना। श्री कल्याण सेवा आश्रम जो उदासीन संप्रदाय की प्रमुख तपस्थली है, में धर्म ध्वजा पूजन की यह प्राचीन परंपरा वर्ष में दो बार निभाई जाती है एक शारदीय नवरात्रि के दौरान एवं दूसरी वैशाख पूर्णिमा के पावन पर्व पर। परंपरा के अनुसार विशेष पूजन-अभिषेक के पश्चात पुरानी ध्वजा को विधिपूर्वक उतारकर नवीन वस्त्र एवं नई धर्म ध्वजा स्थापित की जाती है, जो नवचेतना, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने इस अवसर पर बताया कि उदासीन

संप्रदाय में ध्वजा पूजन का अत्यंत विशेष महत्व है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परंपरा, श्रद्धा और सनातन संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ध्वजा परिवर्तन का यह अनुष्ठान आश्रम की अखंड आध्यात्मिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने का माध्यम है। इस भव्य आयोजन में स्वामी हरस्वरूप महाराज, स्वामी शांतानंद महाराज, स्वामी धर्मानंद महाराज, स्वामी नर्मदा नंद महाराज, स्वामी धुनि दास महाराज, स्वामी रामानंद महाराज, स्वामी अमित दास महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे एवं सुभाष अग्रवाल, राजेंद्र बिष्ट, लालजी, उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू। वहीं पुजारीगण के पंडित संदीप जोशी एवं पंडित सुनील दुबे ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगण उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करते हुए इस दिव्य अनुष्ठान के साक्षी बने। पूरे आश्रम परिसर में भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुपम संगम देखने को मिला।

बोरीडांड-अम्बिकापुर सेक्शन में ट्रैफिक-सह-पावर ब्लॉक के फलस्वरूप परिचालन रहेगा प्रभावित

अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देते हुए बोरीडांड-अम्बिकापुर खंड के कटोरा-बैकुंठपुर रोड के मध्य स्थित रोड ओवरब्रिज क्रमांक-172 एवं शिवप्रसाद नगर कटोरा के मध्य स्थित रोड ओवरब्रिज क्रमांक-195 पर डी-लॉन्चिंग कार्य के लिए ट्रैफिक-कम-पावर ब्लॉक लिया जाएगा। यह कार्य बोरीडांड सूरजपुर रोड दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत किया जा रहा है। इस कार्य के फलस्वरूप इस मार्ग की कुछ गाडियाँ प्रभावित रहेगी विवरण इस प्रकार है। रद्द होने वाली गाडियां 03 मई एवं 10 मई को शहडोल से चलने वाली गाडी संख्या 68749 शहडोल-अम्बिकापुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 03 मई एवं 10 मई को अम्बिकापुर से चलने वाली गाडी संख्या 68758 अम्बिकापुर-अनूपपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 03 मई एवं 10 मई को अनूपपुर से चलने वाली गाडी संख्या 68759 अनूपपुर-मनेन्द्रगढ़ मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 03 मई एवं 10 मई को मनेन्द्रगढ़ से चलने वाली गाडी संख्या 68757 मनेन्द्रगढ़-अम्बिकापुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी। 03 मई एवं 10 मई को अम्बिकापुर से चलने वाली गाडी संख्या 68750 अम्बिकापुर-शहडोल मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

वैशाख पूर्णिमा पर मृत्युंजय आश्रम में भव्य भंडारा, श्रीमद् भागवत कथा का श्रद्धा के साथ समापन

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में वैशाख पूर्णिमा के शुभ अवसर पर धर्म, भक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला। इस पावन दिन मृत्युंजय आश्रम में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का विधिवत समापन विशाल भोजन भंडारे के साथ संपन्न हुआ। पूज्य सद्गुरुदेवों की पुण्य स्मृति में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में सप्ताह भर कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। समापन अवसर पर आयोजित भव्य भंडारे में हजारों भक्त श्रद्धालुओं, साधु-संतों एवं जरूरतमंद गरीब जनों को श्रद्धापूर्वक भोजन प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही, श्रद्धालुओं को दक्षिणा प्रदान कर सेवा-भाव का परिचय दिया गया। आश्रम परिसर में पूरे दिन भक्ति, सेवा और समर्पण का वातावरण बना रहा। श्रद्धालु भक्ति भाव से कथा श्रवण के उपरांत भंडारे में सम्मिलित हुए और पुण्य लाभ अर्जित किया। इस पूरे आयोजन की व्यवस्थाएं आश्रम के व्यवस्थापक पंडित योगेश दुबे द्वारा सुव्यवस्थित रूप से संभाली गईं, जिसके चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन ने अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक प्रखर करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और भक्ति से जोड़ने का कार्य किया।

लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही बनते हैं सच्चे खिलाड़ी-मरकाम

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर हर्षल पंचोली तथा पुलिस अधीक्षक मोती ऊर रहमान के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर "आरोह-2026" का भव्य शुभारंभ 1 मई को प्रातः 7 बजे जिला खेल परिसर अनूपपुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जगन्नाथ मरकाम उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला व्हॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा मौजूद रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ खिलाड़ी आशुतोष त्रिपाठी, जिला महामंत्री भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सत्येंद्र स्वरूप दुबे सहित अनेक खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि श्री मरकाम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि "खेल केवल शारीरिक मजबूती का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का सशक्त साधन भी है। यदि खिलाड़ी लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के साथ आगे बढ़ें, तो वे निश्चित रूप से सफलता के उच्च शिखर तक पहुंच सकते हैं।" उन्होंने बताया कि इस एक माह के शिविर में खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियां तथा फिट इंडिया मूवमेंट के विषय में भी खिलाड़ियों को जागरूक किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि चैतन्य मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि "ऐसे शिविर प्रतिभाओं को निखारने का सुनहरा अवसर होते हैं। खिलाड़ियों को चाहिए कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और नियमित रूप से अभ्यास कर खेल की बारीकियों को सीखें। निरंतर मेहनत ही सफलता की कुंजी है।" वहीं वरिष्ठ खिलाड़ी आशुतोष त्रिपाठी ने अपने अनुभव साझा करते हुए खिलाड़ियों को प्रेरित किया और कहा कि "खेल में सफलता के लिए धैर्य, समर्पण और निरंतर अभ्यास अत्यंत आवश्यक है। जो खिलाड़ी मेहनत से पीछे नहीं हटते, वही आगे चलकर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करते हैं।" इस अवसर पर रामचंद्र यादव (जिला खेल प्रशिक्षक), धनीराम बनवासी, शिवानी केसरवानी, श्रेया गुप्ता, भारती सिंह, पूरन सिंह, मनीष सिंह, जितेंद्र गुप्ता एवं अमिय विश्वास सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे। यह ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर "आरोह-2026" जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

ई- निविदा आमंत्रण सूचना कार्यालय नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र. E-mail-cmojaithari@mpurban.gov.in

क्र./323/न. परि./ई. टेन्ड./लोक.नि./2026 एतद् द्वारा नगर परिषद जैतहरी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ONLINE) जैतहरी दिनांक 29/04/2026
निविदा आमंत्रित करती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईड https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है।

क्र	ऑन लाईन टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख राशि रुपए में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_504011_1	Facilitation of strenght conditioning and wellness hub at ward 08	16,50,000/-	12,375/-	2000/-	03 माह
2	2026_UAD_504027_1	Construction of maharshi Kashyap dham At ward 05	9,65,420/-	9654/-	2000/-	03 माह

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 29/04/2026 समय शाम 16:00 बजे से 01/06/2026 समय शाम 17:30 तक क्रय की जा सकती है एवं सरल क्रमांक 2 निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 29/04/2026 समय शाम 16:00 बजे से 15/05/2026 समय शाम 17:30 तक क्रय की जा सकती है । 2. विस्तृत निविदा विज्ञप्ति टेण्डर एवं अन्य दस्तावेज देखने एवं डाउनलोड करने के लिए वेबसाईड पर सुविधा उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है 13. निविदाकार टेण्डर डालने के पूर्व उपरोक्तानुसार स्थल का निरीक्षण कर सकते है । 4. निविदा मे किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए समाचार पत्र पर प्रकाषन नही किया जावेगा निविदा के संशोधन की जानकारी https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकरी, नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र.

ई- निविदा आमंत्रण सूचना कार्यालय नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र. E-mail-cmojaithari@mpurban.gov.in

क्र./335/न. परि./ई. टेन्ड./लोक.नि./2026 एतद् द्वारा नगर परिषद जैतहरी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ONLINE) जैतहरी दिनांक 01/05/2026
निविदा आमंत्रित करती है उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईड https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है।

कं.	ऑन लाईन टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख राशि रुपए में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_504575_1	Establishment of recreational activities at different park and gardens in Jaithari	16,45,600/-	12,342/-	2000/-	03 माह
2	2026_UAD_504570_1	Finishing furnishing work of old building for multipurpose use at wardno 08	9,97,185/-	9971/-	2000/-	03 माह

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने का दिनांक 01/05/2026 समय शाम 10:30 बजे से 02/06/2026 समय शाम 17:30 तक क्रय की जा सकती है एवं सरल क्रमांक (2) 01/05/2026 समय शाम 10:30 बजे से 16/05/2026 समय शाम 17:30 तक क्रय की जा सकती है । 2. विस्तृत निविदा विज्ञप्ति टेण्डर एवं अन्य दस्तावेज देखने एवं डाउनलोड करने के लिए वेबसाईड पर सुविधा उपलब्ध है अधिक जानकारी के लिए https://mptenders.gov.in/ देखी जा सकती है 13. निविदाकार टेण्डर डालने के पूर्व उपरोक्तानुसार स्थल का निरीक्षण कर सकते है 14. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए समाचार पत्र पर प्रकाषन नही किया जावेगा निविदा के संशोधन की जानकारी https://mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकरी, नगर परिषद जैतहरी जिला अनूपपुर म.प्र.